पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला

दिनांक 14.09.2020 को पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज द्वारा हिंदी पखवाड़े की शुरूआत कोविड-19 के अंतर्गत सुरक्षा मास्क के साथ सरकार द्वारा जारी नियमों का पालन करते हुए की गयी।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो० (डॉ.) संतोष भदौरिया, हिंदी विभागाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला का आरंभ हुआ, जो प्रतिवर्ष हिंदी पखवाड़े के दौरान किसी प्रख्यात भाषाविद के विज्ञान प्रसार में हिंदी की भूमिका पर व्याख्यान दिया जाएगा।

श्रृंखला का प्रथम व्याख्यान देते हुए प्रो० भदौरिया ने हिंदी के समावेशी स्वाभाव तथा उदारता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह गंगा की धारा को अविरल बनाने में उसमें मिलने वाली अनेक नदियों का योगदान है उसी तरह हिन्दी के विकास में विभिन्न बोलियों की

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796 E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

भूमिका है। प्रो. भदौरिया के अनुसार हिंदी यद्यपि अभी विज्ञान की भाषा बनने की प्रक्रिया में है किंतु वैज्ञानिक शोध के भारतीय समाज में प्रसार हेतु सबसे सुयोग्य साधन यही भाषा है।

इस अवसर पर डा. भदौरिया तथा केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने आलोक यादव, वैज्ञानिक द्वारा लिखित, केंद्र से प्रकाशित पुस्तक "बांस: प्रवर्धन एवं प्रबंधन" का विमोचन किया।

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796 E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

केंद्र प्रमुख ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद व्यक्त करते हुए हिंदी की उत्पत्ति से लेकर आज तक के सफ़र से अवगत कराया साथ ही सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज जो देश अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हैं वह विकास की कतार में सबसे आगे खड़े हैं, उन्होंने केंद्र के समस्त कर्मचारियों को सरल एवं सहज हिंदी में करने हेतु प्रोत्साहित किया।

केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दुबे ने हिंदी की महत्ता के बारे में चर्चा की तथा उत्तर प्रदेश में पर्यावरण पुनर्वास हेतु किए जा रहे सतत प्रयास से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने केंद्र में चल रही परियोजनाओं से अवगत कराया तथा उनके कार्यों को यथोचित रूप से हिंदी में करने की बात कही। इसी क्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने केंद्र द्वारा प्रकाशित पुस्तक से सभा को अवगत कराया तथा यह कहा कि कार्यालय के कार्यों को अत्यधिक रूप से हिंदी में करने हेतु प्रयासरत रहेंगे।

केंद्र की वैज्ञानिक/हिंदी अधिकारी डा. अनुभा श्रीवास्तव ने मातृभाषा हिंदी का परिचय देते हुए इसके प्रचलन की अधिकता हेतु हिंदी को लिखित तथा मौखिक हर रूप में सरकारी व गैर-सरकारी आदि स्थानों पर अत्यधिक रूप से प्रयोग करने की बात कही। उद्घाटन कार्यक्रम को सुचारु रुप से संचालित करने में तकनीकी अधिकारी डॉ एस. डी. शुक्ला व रतन कुमार गुप्ता के निर्देशन में विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा।

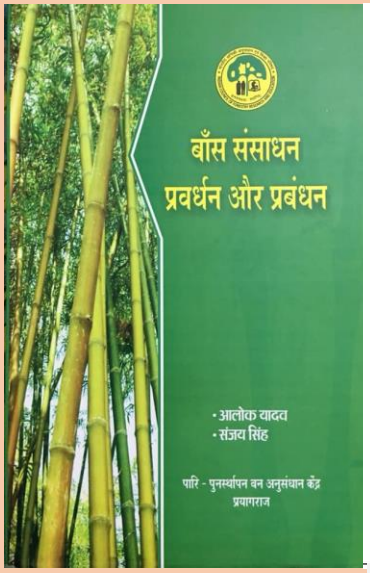

हिन्दी पखवाड़े का उद्घाटन समारोह आयोजित

प्रयागराज(नि.सं)। आज दिनांक 14.09.2020 को पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा हिन्दी पखवाड़ा (14.09.2020 से 28.09.2020) की शुरुआत कोविड-19 के अन्तर्गत सुरक्षा मास्क के साथ सरकार द्वारा जारी नियमों का पालन करते हुए की गयी। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा0 संतोष भदौरिया, हिन्दी विभागाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। डा0 भदौरिया ने मातृभाषा हिन्दी का परिचय देते हुए इसके प्रचलन की अधिकता हेतु हिन्दी को लिखित तथा मौखिक हर रूप में सरकारी, गैर-सरकारी आदि स्थानों पर अत्यधिक रूप से प्रयोग करने की बात कही। कार्यक्रम में डा0 भदौरिया तथा केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने केन्द्र द्वारा प्रकाशित पुस्तक "बाँसः प्रवर्धन एवं प्रबन्धन" का विमोचन किया। केन्द्र प्रमुख ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद व्यक्त करते हुए हिन्दी की उत्पत्ति से लेकर आज तक के सफर से अवगत कराया साथ ही सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज जो देश अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हैं वह विकास की कतार में सबसे आगे खड़े है। समस्त प्रतिभागियों एवं अन्य से हिन्दी में कार्य करने हेतु अनुरोध किया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. कुमुद दूबे ने हिन्दी की महत्ता के बारे में बताया तथा उत्तर प्रदेश में पर्यावरण पुनर्वास हेतु किये जा रहे सतत प्रयास से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनिता तोमर ने केन्द्र में चल

रही परियोजनाओं से अवगत कराया तथा परियोजनाओं के कार्यों को यथोचित रूप से हिन्दी में करने की बात कही। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने केन्द्र द्वारा प्रकाशित पुस्तक से सभा को अवगत कराया तथा उनके द्वारा कहा गया कि कार्यालय के कार्यों को अत्यधिक रूप से हिन्दी में किया जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम को सुचारु रूप से संचालित करने में केन्द्र की वैज्ञानिक/हिन्दी अधिकारी डा. अनुभा श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा इसके आयोजन में तकनीकी अधिकारी डा. एस.डी. शुक्ला व रतन कुमार गुप्ता के निर्देशन में विभिन्न-परियोजनाओं में कार्यरत विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा।

पारिपुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज द्वारा हिंदी पखवाडा की शुरुआत

ए पी सिंह

प्रयागराज (अमर स्तम्भ) कोविड–19 के अंतर्गत सुरक्षा मास्क के साथ सरकार द्वारा जारी नियमों का पालन करते हुए हिन्दी पखवाड़ा की शुरुवात की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ संतोष भदौरिया, हिंदी विभागाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। डॉ भदौरिया ने मातृभाषा हिंदी का परिचय देते हुए इसके प्रचलन की अधिकता हेतु हिंदी को लिखित और मौखिक हर रूप में सरकारी व गैर–सरकारी आदि स्थानों पर अत्यधिक रूप से प्रयोग करने की बात कही। कार्यक्रम में डॉ भदौरिया तथा केंद्र प्रमुख डॉ संजय सिंह के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने केंद्र द्वारा प्रकाशित पुस्तक बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन का विमोचन किया। केंद्र प्रमुख ने मुख्य अतिथि को धन्यवाद व्यक्त करते हुए हिंदी की, उत्पत्ति से लेकर आज तक के सफर से अवगत कराया साथ ही सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज जो देश अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हैं वह विकास

की कतार में सबसे आगे खड़े हैं इसके साथ ही उन्होने समस्त प्रतिभागियों एवं अन्य से हिंदी में कार्य करने हेतु अनुरोध किया। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दुबे ने हिंदी की महत्ता के बारे में बताया तथा उत्तर प्रदेश में पर्यावरण पुनर्वास हेतु किए जा रहे सतत प्रयासों से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर ने केंद्र में चल रही परियोजनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया तथा परियोजनाओं के कार्य को यथोचित रूप से हिंदी में करने की बात कही। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ आलोक यादव ने केंद्र द्वारा प्रकाशित पुस्तक से सभा को अवगत कराया और कहा कि कार्यालय के कार्यों को अत्यधिक रूप से हिंदी में किया जाएगा। उदघाटन कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने में केंद्र की वैज्ञानिक, हिंदी अधिकारी डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा इसके आयोजन में तकनीकी अधिकारी डॉ एस.डी. शुक्ला व रतन कुमार गुप्ता के निर्देशन में विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा।

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796 E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com